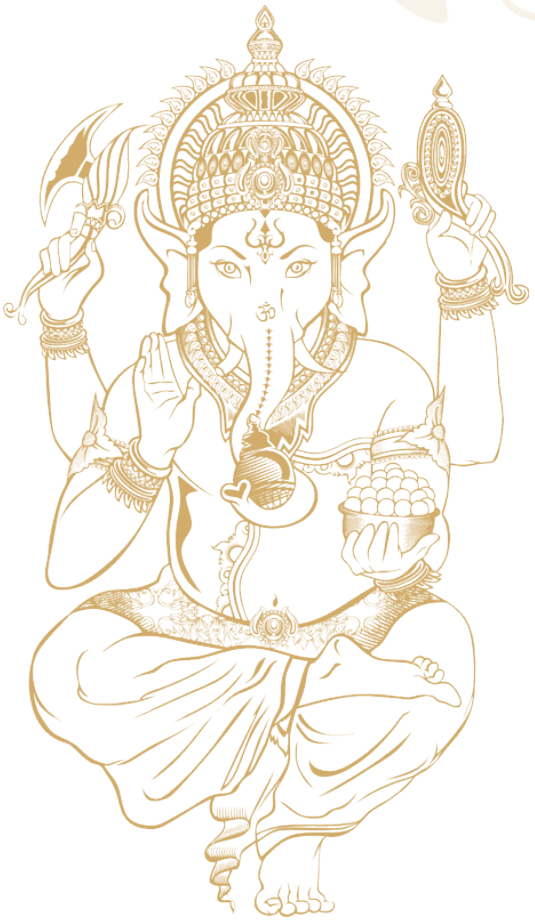

Mr Jap Agam Singh

05 Jan 2003

07:55 AM

Ludhiana

Model: web-freekundliweb

Order No: 121751702

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**05/01/2003**
दिन	रविवार
जन्म समय	**07:55:00 घंटे**
इष्ट	01:13:47 घटी
स्थान	**Ludhiana**
राज्य	Punjab
देश	India

अक्षांश	30:56:00 उत्तर
रेखांश	75:52:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:26:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	07:28:28 घंटे
वेलान्तर	-00:05:10 घंटे
साम्पातिक काल	14:25:35 घंटे
सूर्योदय	07:25:29 घंटे
सूर्यास्त	17:38:14 घंटे
दिनमान	10:12:45 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	20:25:24 धनु
लग्न के अंश	26:54:59 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**श्रवण - 3**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	वज्र
करण	तैतिल
गण	देव
योनि	वानर
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	खे-खेमचन्द
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	26:54:59	378:16:00	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	सूर्य	---
सूर्य			धनु	20:25:24	01:01:11	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
चंद्र			मक	18:34:41	13:09:41	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	सम राशि
मंगल			तुला	28:19:01	00:38:41	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	सम राशि
बुध	व		मक	04:02:15	00:27:26	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	सम राशि
गुरु	व		कर्क	22:37:13	00:05:47	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	चंद्र	उच्च राशि
शुक्र			वृश्चि	03:41:55	00:58:27	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	सम राशि
शनि	व		मिथु	00:14:15	00:04:28	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	मित्र राशि
राहु	व		वृष	14:18:13	00:06:37	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	14:18:13	00:06:37	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	मित्र राशि
हर्ष			कुंभ	02:33:10	00:02:46	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	केतु	---
नेप			मक	15:48:38	00:02:06	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	शनि	---
प्लूटो			वृश्चि	24:31:52	00:02:07	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	---
दशम भाव			तुला	14:52:59	--	स्वाति	--	15	शुक्र	राहु	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:53:42

लग्न-चलित

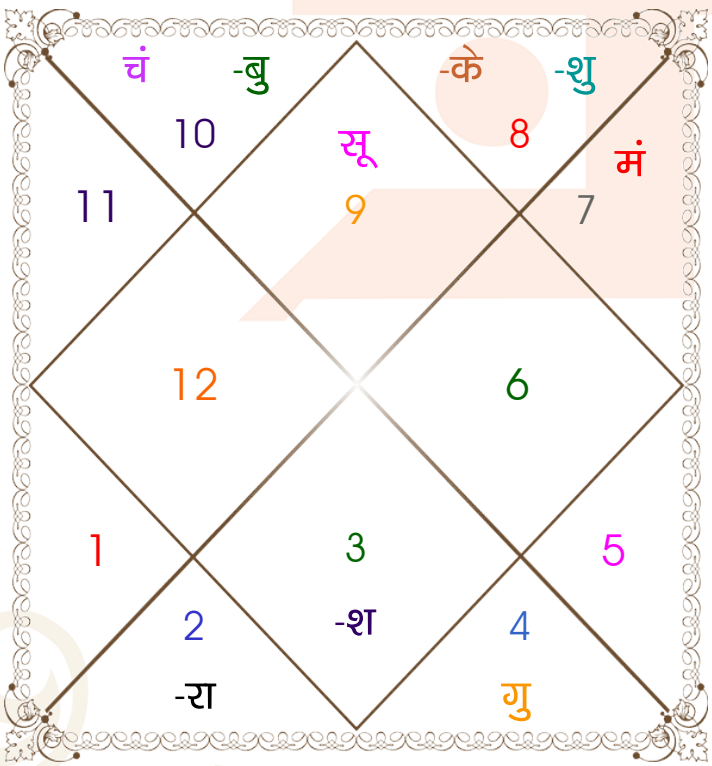

चन्द्र कुंडली

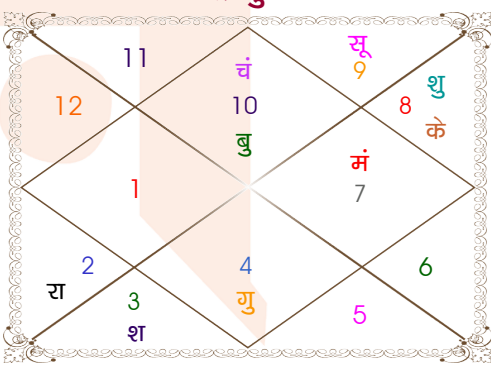

नवमांश कुंडली

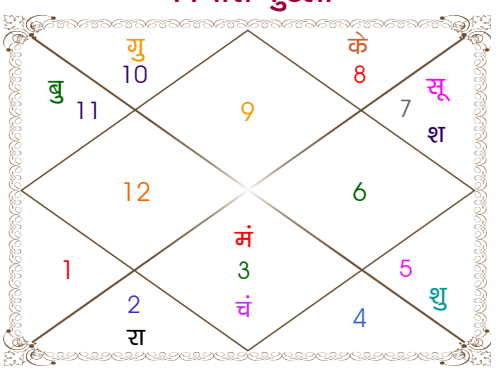

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 3 वर्ष 6 मास 24 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
05/01/2003		30/07/2006		30/07/2013		31/07/2031		31/07/2047	
30/07/2006		30/07/2013		31/07/2031		31/07/2047		30/07/2066	
	00/00/0000	मंगल	27/12/2006	राहु	11/04/2016	गुरु	17/09/2033	शनि	03/08/2050
	00/00/0000	राहु	14/01/2008	गुरु	05/09/2018	शनि	30/03/2036	बुध	12/04/2053
	00/00/0000	गुरु	20/12/2008	शनि	12/07/2021	बुध	06/07/2038	केतु	21/05/2054
	00/00/0000	शनि	29/01/2010	बुध	29/01/2024	केतु	12/06/2039	शुक्र	21/07/2057
	05/01/2003	बुध	26/01/2011	केतु	16/02/2025	शुक्र	10/02/2042	सूर्य	03/07/2058
बुध	30/10/2003	केतु	24/06/2011	शुक्र	17/02/2028	सूर्य	29/11/2042	चंद्र	01/02/2060
केतु	30/05/2004	शुक्र	23/08/2012	सूर्य	10/01/2029	चंद्र	30/03/2044	मंगल	12/03/2061
शुक्र	29/01/2006	सूर्य	29/12/2012	चंद्र	12/07/2030	मंगल	06/03/2045	राहु	17/01/2064
सूर्य	30/07/2006	चंद्र	30/07/2013	मंगल	31/07/2031	राहु	31/07/2047	गुरु	30/07/2066

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
30/07/2066		31/07/2083		30/07/2090		31/07/2110		31/07/2116	
31/07/2083		30/07/2090		31/07/2110		31/07/2116		00/00/0000	
बुध	26/12/2068	केतु	27/12/2083	शुक्र	29/11/2093	सूर्य	18/11/2110	चंद्र	31/05/2117
केतु	23/12/2069	शुक्र	25/02/2085	सूर्य	29/11/2094	चंद्र	20/05/2111	मंगल	30/12/2117
शुक्र	23/10/2072	सूर्य	03/07/2085	चंद्र	30/07/2096	मंगल	25/09/2111	राहु	01/07/2119
सूर्य	30/08/2073	चंद्र	01/02/2086	मंगल	29/09/2097	राहु	18/08/2112	गुरु	30/10/2120
चंद्र	29/01/2075	मंगल	30/06/2086	राहु	30/09/2100	गुरु	06/06/2113	शनि	01/06/2122
मंगल	26/01/2076	राहु	19/07/2087	गुरु	01/06/2103	शनि	19/05/2114	बुध	06/01/2123
राहु	15/08/2078	गुरु	23/06/2088	शनि	31/07/2106	बुध	26/03/2115		00/00/0000
गुरु	20/11/2080	शनि	02/08/2089	बुध	31/05/2109	केतु	01/08/2115		00/00/0000
शनि	31/07/2083	बुध	30/07/2090	केतु	31/07/2110	शुक्र	31/07/2116		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 3 वर्ष 7 मा 5 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

वास्तव में कुछ व्यक्तियों का जन्म भाग्यशाली होता है। उनमें से एक आप भी हैं। ज्योतिषीय आकृति स्वरूप आपका जन्म उत्तराषाढ़ा नक्षत्र के प्रथम चरण में धनु लग्नोदय एवं धनु नवमांशोदय काल। आपका जन्म सिंह राशि के द्रेष्काण में हुआ था। आपका जन्म प्रभाव यह व्यक्त करता है कि आप लब्ध प्रतिष्ठित हो कर, धन संपत्ति से युक्त पूर्ण स्वस्थ एवं प्रसन्नतम जीवन का आनंद प्राप्त करेंगे।

आपके जीवन का प्रथम भाग ऐसा प्रतीत होता है कि आपकी सफलता हेतु एक छोटा सहयोगात्मक योगदान ही पर्याप्त होगा। आपके जीवन में थोड़ा विलम्ब से धनोपार्जन कर के सुव्यवस्थित होंगे। आपकी अच्छी संपत्ति आपमें विद्यमान सहन शक्ति एवं आत्मकारिता के गुण हैं। आप यह जानते हैं कि किस प्रकार धनी व्यक्ति बना जा सकता है। आप इन बातों को बहुत महत्व देते हैं। आप धन का समुचित उपयोग करेंगे। आप बहुत धन संग्रह करेंगे। परंतु आपके मस्तिष्क में अहंकारिक भावना से युक्त नहीं होंगे तथा कोई भी प्रतिकूल कार्य नहीं करेंगे। जो आप पर विश्वास करेगा। आप उसकी सहानुभूति अवश्य लौटाएंगे। क्योंकि आप बाधा रहित होकर जीवन निर्वाह करना चाहते हैं। आप एक चतुर एवं बुद्धिमान प्राणी हैं। अतः आप अपने अनेक मित्रों को आकर्षित कर लेंगे क्योंकि वे आपको कला में प्रवीनता के प्रशंसक हैं। वे लोग अभावग्रस्त होने पर आपका संरक्षण अभिलाषा प्रकट करेंगे।

आपके पास एक सुखद भवन होगा जिसमें अपनी कुशल एवं प्रिय गृहणी के साथ आनंद प्राप्त करेंगे तथा होनहार सुशील बच्चों से युक्त होंगे। आप इन से अलग रहकर प्रसन्न नहीं रहेंगे। आपका घर अन्यों की अपेक्षा इर्ष्यारहित होगा। आप अपने जीवन में उत्तरोत्तर विकास हेतु, उद्यृत व्यवसायों में से कोई भी पसंदीदा रोजगार सुनिश्चित कर सकते हैं। यथा अंतर्राष्ट्रीय आयात-निर्यात् विकास का कार्य, न्यायधीश अथवा मध्यस्थता करने का कार्य, अथवा भूमि भवन से संबंधित दलाली का कार्य यथा वास्तविक भूमि के क्रय-विक्रय, खनिज खदान कार्य, कृषि कार्य अथवा वास्तुकला से संबंधित कार्य आपके लिए अनुकूल एवं लाभजनक प्रमाणित होगा।

आपके स्वास्थ्य की उत्तमता हेतु शान्ति पूर्वक अंहकारिक भावनाओं से विरक्त तथा किसी भी प्रकार की अतिशय से अलग रहना लाभदायक होगा। आपके अपने स्वास्थ्य रक्षा हेतु अच्छी प्रकार नियमित रहना आवश्यक है। कालांतर में किसी भी प्रकार की आकस्मिकता के कारण कतिपय रोग यथा गैस रोग की दिक्कते, पक्षाघात, चर्म रोग यथा फोड़ा-फुंसी अथवा खुजली रोग से प्रभावित होने की आशंका है। यदि आप समय पर इसके रोकथाम की चहल कदमी प्रारंभ कर लिए तो आप रोग मुक्त हो सकते हैं।

भविष्य की अनुकूलता हेतु आप अंकों में अंक 3, 5, 6 एवं 8 अंक का व्यवहार अपने जीवन में शुभता हेतु करें तो उत्तम रहेगा। परंतु अंक 2, 7 एवं 9 अंक आपके लिए प्रतिकूल प्रमाणित है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुभ दिन रविवार, सोमवार एवं मंगलवारका दिन

प्रतीत होता है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके लिए अशुभफलदायी है।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग क्रीम रंग, सफेद, नारंगी, नीला, हरा रंग एवं सूआपंखी रंग लाभदायक प्रमाणित होगा। परंतु रंग काला, लाल एवं मोतिया रंग सर्वथा त्याज्यनीय है।